**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 3450**
**दिनांक 09.08.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**पहचान पत्र कार्डधारक**

**3450. श्री घनश्याम सिंह लोधी:**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में ऋण प्राप्त करने वाले पहचान पत्र कार्डधारकों की संख्या सहित जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त कार्डधारकों को डिज़ाइनरों की तरह प्रशिक्षित किया जा रहा है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है और उत्तर प्रदेश में प्रशिक्षित शिल्पकारों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में एक संस्थान स्थापित करने का विचार है;

(ङ) रामपुर जिले में कढ़ाई कारीगरों की संख्या कितनी है; और

(च) क्या उनके कार्य की गुणवत्ता और आय में सुधार लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**वस्त्र राज्य मंत्री**
**(श्रीमती दर्शना जरदोश)**

**(क):** विगत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में मुद्रा ऋण की स्वीकृति हेतु बैकों को अग्रेषित किए गए आवेदनों की संख्या 457 हैं।

**(क) एवं (ग):** कारीगरों को उनके डिजाइनिंग कौशल में उन्नयन हेतु डिजाइन विकास कार्यशाला के तहत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विगत तीन वर्षों के दौरान कलस्टर वार डिजाइन विकास कार्यशाला के तहत लाभान्वित कारीगरों की संख्या 222 हैं।

**(घ)** उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में एक संस्थान स्थापित करने का कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

**(ङ)** : रामपुर जिले में 7915 कढ़ाई कारीगरों को पहचान कार्ड जारी किया गया है।

**(च)** : वस्त्र मंत्रालय राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और वृहत्त हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) के माध्यम से कलस्टर और व्यक्तिगत कारीगरों के लिए विपणन सहायता, कौशल विकास, कलस्टर विकास, कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ, संरचनात्मक एवं प्रोद्यौगिकी सहायता, अनुसंधान एवं विकास समर्थन प्रदान करने के द्वारा उनके कार्य की गुणवत्ता और आय में सुधार लाने के लिए कदम उठा रहा हैं।

*****